

प्राकृतिक खेती अपनाने से दोगुनी हो सकती है आयःआर्लेकर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस समारोह में बोलें राज्यपाल

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

राज्यपाल लोकेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के 24वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कृषि मेला सह जनतातीव कृषक सम्मेलन के उद्घाटन के संबोधित करते हुए कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए किसानों का समृद्ध होना आवश्यक है। प्राकृतिक खेती को अपनाने से उत्कर्ष हात दुगुनी हो सकता है। उन्होंने किसानों के परिवार से हां हमें खेतों को अन्न मिलता है। वे प्रकृति के साथ सामृज्य स्थापित कर खेतों करना जानते हैं और खेत ही उनका प्रयोगशाला होता है। हमारे पूर्वजों द्वारा खेतों में रासायनिक खाद्यों का प्रयोग नहीं करने के बावजूद अच्छी उपज होती थी, परन्तु बाद में इनके प्रयोग से जीपी की उत्पादन द्वारा होता है। इन खेतों से निर्मित खाद का उपयोग तथा अन्य जीवों से निर्मित खाद का उपयोग किया जाता है। इन खेतों में लगभग 27 प्रतिशत कम लगत आता है जबकि उत्पादकता में 52 प्रतिशत की वृद्धि होती है। राज्यपाल ने



17 महीने के कार्यों को जनता के बीच रखा जाएगा : महागठबंधन

● दाव- 3 मार्च को होनेवाली महारैली होगी ऐतालिक

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

महागठबंधन द्वारा राजधानी पटना के गार्डी मैदान में जनविश्वास महारैली आयोजित किया जाएगा। 3 मार्च को होनेवाले इस महारैली को लेकर बधावर को राजद कार्यालय में शामिल हुए। जनता के बीच रखेंगे 17 महीने के काम : राजद कार्यालय में आयोजित संवादातात सम्मेलन को संबोधित करते हुए महागठबंधन के नेताओं ने कहा कि 17 महीने बनाम 17 साल के कार्यों के साथ साथ बिहार में हुए जीतीय गणना, आरक्षण जनता के व्यवस्था को 75 प्रतिशत किये जाने सहित निम्नलिखित मुहूर्त पर रेली में चर्चा की जायेगी। 17 महीने के काम के नेताओं के बीच : महागठबंधन के नेताओं के बातों को जिक्री किया जाएगा। 17 महीने के बातों की बीच : राजद कार्यालय के नेताओं के बातों को जिक्री किया जाएगा।



के लिए मंडी व्यवस्था की पुर्ववहाली एवं एमसीसी को कानूनी प्रावधान दिये जाने, 94.35 लाख गरीबों को दो-दो लाख रुपए दिये जाने, 35.42 लाख परिवारों को घर बनाने के लिए लाख रुपया दिलाने एवं सभी गहवाहिनी को घर दिलाने एवं विना वर्कलिपक व्यवस्था के घरों बिसियों के उत्तराने पर रोक व नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिये जाने, 94.35 लाख गरीबों को दो-दो लाख रुपए दिये जाने, 35.42 लाख परिवारों को घर बनाने के लिए लाख रुपया दिलाने एवं सभी गहवाहिनी को घर दिलाने एवं विना वर्कलिपक व्यवस्था के घरों बिसियों के उत्तराने पर रोक व नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिये जाने, 94.35 लाख गरीबों को दो-दो लाख रुपए दिये जाने, 35.42 लाख परिवारों को घर बनाने के लिए लाख रुपया दिलाने एवं सभी गहवाहिनी को घर दिलाने एवं विना वर्कलिपक व्यवस्था के घरों बिसियों का निर्माण, खेल में मेडल लाओं नौकरी पाओ योजना लागू करने की बात भी जनता को बताया जाएगा। बिहार में प्रथम बार टूरिज्म पॉलिसी, स्पोर्ट्स पॉलिसी और आईटी पॉलिसी और पंचायतीका बढ़ावा और पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेव बढ़ाया। महागठबंधन के नेताओं ने कहा कि 17 महीने बनाम 17 साल के कार्यों के साथ साथ बिहार में हुए जीतीय गणना, आरक्षण जनता के व्यवस्था को 75 प्रतिशत किये जाने सहित निम्नलिखित मुहूर्त पर रेली में चर्चा की जायेगी। 17 महीने के काम के नेताओं की जिक्री किया जाएगा।

वन नेशन-वन इलेक्शन से देश का वीच-खर्बों रुपया बचेगा। गरीबों का पैसा बार-बार चुनाव में खर्च होता है। वह उनके विकास और तरक्की पर खर्च होगा। इसलिए कुछ लागों की चुनाव करने वाले को डर लग रहा है। क्योंकि वह सभी वंशवादी और परिवारवादी पार्टीयों को डर लग रहा है। विकास और सभी वंशवादी और परिवारवादी पार्टीयों को अंगरेजी वंशवादी और अंगरेजी वंशवादी के नेताओं के बातों की जिक्री किया जाएगा। 17 महीने के बातों की बीच : राजद कार्यालय के नेताओं के बातों की जिक्री किया जाएगा।

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन से जनता के बीच जनता नाजाधार खो चके राजद कार्यालय के नियोजित प्रेस जीवी वंशवादी और परिवारवादी पार्टीयों को अंगरेजी वंशवादी और अंगरेजी वंशवादी के नेताओं के बातों की जिक्री किया जाएगा। 17 महीने के बातों की बीच : राजद कार्यालय के नेताओं की जिक्री किया जाएगा।

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

सुपरबाइजर एवं सफाई पर्यवेक्षक को इसके लिए प्रश्रास्त्र पत्र एवं प्रोत्साहन राशि रखते रहने की महानीत भी कर्मियों को व्यवस्थापन के माध्यम से आम जनों को जागरूक किया जाता है। वर्ष 22 जनवरी को पटना नगर नियम द्वारा मिशन 7 टू 11 शुरू किया गया। इसका माह में लोगों को विभिन्न माध्यमों द्वारा ऐप्प करने से बढ़ते हुए ग्रामीण लोगों ने बदलने के लिए विशेष जीवी वंशवादी और परिवारवादी पार्टीयों को अंगरेजी वंशवादी और अंगरेजी वंशवादी के नेताओं की जिक्री किया जाएगा।

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

सुपरबाइजर एवं सफाई पर्यवेक्षक को इसके लिए प्रश्रास्त्र पत्र एवं प्रोत्साहन राशि रखते रहने की महानीत भी कर्मियों को व्यवस्थापन के माध्यम से आम जनों को जागरूक किया जाता है। वर्ष 22 जनवरी से बढ़ते हुए ग्रामीण लोगों ने बदलने के लिए विशेष जीवी वंशवादी और परिवारवादी पार्टीयों को अंगरेजी वंशवादी और अंगरेजी वंशवादी के नेताओं की जिक्री किया जाएगा।

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प्रातः: किरण संवाददाता

एक माह में वस्तुल किया गया 10 करोड़ का राजस्व

पिशन 7 टू 11 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मान

पटना, प

हकीकत का आईना

आईटीआईएफ ने एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में 2029 तक अधिकतम पांच फैक्टरियां ही लग पाएंगी और वो भी 28 नैनोमीटर वाले चिप का उत्पादन करने वाली होंगी। जबकि अमेरिका में तीन और चीन में पांच नैनोमीटर के चिप तैयार हो रहे हैं। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत के महाशक्ति बनाने के सपने में अमेरिका के प्रतिष्ठित थिंक टैक-थिंक टैक इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउण्डेशन (आईटीआईएफ) ने पिन चुभो दिया है। भारत सरकार ने दस बिलियन डॉलर की विशाल रकम इस क्षेत्र में आने वाली कंपनियों को सब्सिडी देने के लिए रखी है। ऐसी शर्तों के साथ विदेशी कंपनियों को चिप फैब्रिकेशन की फैक्टरी लगाने बुलाया जा रहा है, जिसमें दो तिहाई तक आर्थिक निवेश सरकार करेगी, जबकि सारा मुनाफा उन कंपनियों का होगा। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक भारत में ऐसी फैक्टरियां लगाने के लिए अब तक 18 प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं। आईटीआईएफ ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि इन सबके बावजूद भारत में 2029 तक अधिकतम पांच फैक्टरियां लग पाएंगी और वो भी 28 नैनोमीटर वाले चिप का उत्पादन करने वाली होंगी। जबकि अमेरिका में तीन और चीन में पांच नैनोमीटर के चिप तैयार हो रहे हैं। इस बीच चिप क्षेत्र में बढ़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अमेरिका, चीन, यूरोप जापान और ताइवान में अनुसंधान और उत्पादन बढ़े पैमाने पर बढ़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। आईटीआईएफ ने आशंका करताई है कि इस घटनाक्रम से भारतीय प्रयासों पर ग्रहण लग सकता है। थिंक टैक ने कहा है— भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर बैल्यू चैन में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, बशर्ते सरकार अपनी निवेश नीति पर कायम रहे, विनियमन और कारोबार का अनुकूल वातावरण बनाए रखें और अनिश्चय पैदा करने वाले कदमों से बचे। ये सब बहुत बड़ी शर्तें हैं इदर असल, सेमीकंडक्टर की दुनिया में विशेष पहचान चिप डिजाइनिंग की दिशा में नए आविष्कारों से बनती है। डिजाइन किए चुके चिप पर उत्पादन (फैब्रिकेशन) का अपना महत्व है, लेकिन इस पर नियंत्रण बौद्धिक संपदा अधिकार रखने वाली कंपनी का रहता है। डिजाइनिंग में धैर्य और पूँजी सघन क्षेत्र है, जिसके लिए अत्याधुनिक अनुसंधान और अनुकूल बाजार पूर्व शर्त हैं। भारत सरकार के लिए विचारणीय है कि क्या इन क्षेत्रों में देश के अंदर मजबूत जमीन तैयार कर ली गई है? ऐसे किए बिना भारी सब्सिडी देकर कंपनियों को बुलाना फुनींग के जरिए पेढ़ लगाने की कोशिश मानी जाएगी। क्या यह सभव है?

ਹਿੰਦੂ ਪਿਛੇ ਵਾਲੇ ਨੇ ਗਏ ਕਨਲਨਾਈ

ਰਮੇਸ਼ ਸਰਫਕ ਧਮੋਰਾ

मध्य प्रदेश के पूर्व में
को भाजपा ने हिट

कमलनाथ के भाजपा में जाने की खबरें सुखियां बन रही थीं। मगर भाजपा आलाकमान ने कमलनाथ के लिए पार्टी के दरवाजे नहीं खोले। चर्चा है कि मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा कमलनाथ के भाजपा प्रवेश का विरोध किए जाने के कारण पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ के भाजपा प्रवेश के कार्यक्रम को टाल दिया है। अब कमलनाथ के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। वह बोल रहे हैं कि मैं कभी भी कांग्रेस नहीं छोड़ सकता हूँ। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूँ और रहूँगा। जबकि एक दिन पहले तक कमलनाथ के खासमंथान सज्जन सिंह वर्मा ने खुलेआम कांग्रेस पार्टी में कमलनाथ की उपेक्षण करने का आरोप लगात हुए उनके भाजपा में शामिल होने की पुष्टि की थी। मगर अब सज्जन वर्मा भी अपने बयानों से पलटते नज़ारे आ रहे हैं।

भाजपा न कमलनाथ का शासन करने का लक्ष्य जदू खान परावर्ती के स्वर उठ रहे थे। भाजपा ने तो तेजिंदर सिंह बग्रा का कहना है कि कमलनाथ सिख विरोधी दंगों के अगवा रहे हैं। उन पर सिखों की हत्या करने के आरोप है। ऐसे व्यक्ति को भाजपा में शामिल नहीं करना चाहिए। हालांकि कमलनाथ हमेशा ऐसे आरोपों को नकारा रखे हैं। सभी तरह की जांच में उह्वें क्लीनचिट भी मिल चुकी है। मगर सिख समाज के मन में आज भी कमलनाथ को लेकर नकारात्मक भावना बढ़ी हुई है। ऐसे में भाजपा कमलनाथ को पार्टी में शामिल कर सिख मतदाताओं को नाराज नहीं करना चाहती है। हालांकि तेजिंदर सिंह बग्रा का कहना है कि यदि कमलनाथ के सांसद बैठे नकुलनाथ भाजपा में शामिल होते हैं तो उह्वें कोई आपत्ति नहीं है। व्यांकिंग नकुलनाथ ने सिख विरोधी कोई काम नहीं किया है। कमलनाथ कांग्रेस में सबसे वरिष्ठ नेता माने जाते हैं। संजय गांधी के

दून स्कूल के साथी कमलनाथ को 1980 के पहले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना तीसरा बेटा कहकर चुनाव जीतवाने की अपील की थी। 1980 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल छिंदवाड़ा से पहली बार चुनाव जीतने के बाद कमलनाथ ने कभी राजनीति में पापें मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार सफलता की सीढ़ी चढ़ते गए।
कांग्रेस की केन्द्र सरकार में वह कई बार मंत्री, संगठन में पदाधिकारी मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए गए। मगर 2023 में कांग्रेस पार्टी के मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव हारने के बाद पार्टी में उन्हें हाशिये पर धकेल दिया गया। उन्हें बिन पूछे ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया गया। इतना ही नहीं उनके विरोधी रहे जीतू पटवारी को उनके स्थान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष व उमंग सिंघार को विधायक दल का नेता बना दिया गया। इससे कमलनाथ को बड़ा झटका लगा था और तभी से वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में अपने प्रवेश की जुगत लगाने लगे थे।

छोड़कर कहा नहीं जा रहा। राजनीति यापा का 'यापा' प्राप्ति न का पवर शामिल होंगे। अगले लोकसभा चुनाव में पार्टी के सभी 29 सीटों पर अप्रत्याशियों को जितवाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। मगर राजनीति के जनकारों का कहना है कि यह कमलनाथ की खिसियांगी मिटाने का एक तरीका है। कमलनाथ को पता है कि भाजपा में शामिल नहीं होने के कारण पार्टी नेतृत्व के समक्ष उनकी छवि संदिग्ध कहने बन चुकी है। कांग्रेस आलाकमान को पता है कि जब भी मौका मिलेगा कमलनाथ कांग्रेस को अलविदा कह देंगे। इसलिए कांग्रेस आलाकमान उनको लेकर हमेशा सर्तक रहेगा और आगे उन्हें ऐसे कोई बड़ी जिम्मेदारी भी नहीं दी जाएगी जिस से उनके पार्टी छोड़ने पर पार्टी की छवि खराब हो।

कमलनाथ जैसे वरिष्ठ नेता द्वारा पिछले एक सप्ताह से जिस तरह की राजनीतिक झामा किया गया था उसकी किसी को उम्मीद नहीं थी कमलनाथ की छवि एक गंभीर और सुलझे हुए नेता की मानी जाती रही है। ऐसे में भाजपा में शामिल होने को लेकर अफवाहों का जे दौर देखने को मिला उससे उनकी छवि तो खराब हुई है। आने वाले समय में वह राजनीतिक रूप से भी कमज़ोर हो जाएगी ऐसी संभावना जताई जाने लगी है। अब कांग्रेस आलाकमान भी उनके समर्थकों से

साथी बात कर डमज कट्रिल करन में जुट गया है। आने वाल समय में यदि कमलनाथ अपने संसद पुत्र नकुलनाथ को भाजपा में शामिल भी करवा देते हैं तो कांग्रेस को अधिक नुकसान नहीं हो। इस बात को लेकर कांग्रेस आलाकमान अपनी गोटिया बिठान में जुट गया है आज कमलनाथ की रिति न घर की न घाट की बाली बन गई है भाजपा आलाकमान भी नहीं चाहता है कि महज एक छिंदवाड़ लोकसभा सभा स्तर के इन कमलनाथ को पार्टी में लाकर प्रदेश में एक नया गुट खड़ा करें। इसीलिए अतिम समय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ की भाजपा एंटी को रक्खा कर उन्हें ऐसा झटका दिया है कि उसे उन्हें भाजपा की बाहर निकला जाए।

जिससे वह हा शायद हा का ना उबर पाए। राजस्थान में कांग्रेस के बड़े आदिवासी नेता व कांग्रेस की कायदानी के सदस्य महेंद्रजीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हो गए हैं। मालवीय राजस्थान के बांगड़ क्षेत्र में बड़े कद के राजनेता हैं और कई बार मंत्री, विधायक, संसद, प्रधान, जिला प्रमुख रह चुके हैं। इससे पूर्व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चहाण भी भाजपा में शामिल हो गये थे। कई अन्य नेता भी कतार में हैं। कांग्रेस के ऐसे बड़े जनाधार वाले नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं? कांग्रेस आलाकमान को इस बात पर भी चिन्तित मनन करना चाहिए। राजनीति के जानकारों का कहना है कि मौजूदा समय में कांग्रेस के बड़े जन आधार वाले नेता हाशिये पर डाल दिए गए हैं। ऐसे कांगड़ नेताओं को जिन्होंने कभी कई चुनाव नहीं लड़ा उन्हे अग्रीम मर्चे पर लगा दिया गया है। बिना जनाधार वाले नेता ही जुगाड़ कर राज्यसभा में पहुंच जाते हैं। उसी का नतीजा है कि कांग्रेस के जन आधार वाले नेता दूसरे दलों में अपना राजनीतिक भविष्य तलाशने लगे हैं। कांग्रेस आलाकमान को जनाधार वाले नेताओं को आगे लाना होगा तर्भु

नए युग, नये कालचक्र वराष्ट्र स्थली मंदिर के निर्माण के खोखले दावे और सुप्रीम हंटर

सता को दर्पण दिखाने वाले इस फैसले से एक दिन पूर्व यानी गत सोमवार (19 फरवरी) को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में कल्किधाम मंटप के एक शिलान्यास कार्यक्रम में जो हापवन्हन दे रहे थे उसे सुनकर कोई भी यही कहेगा कि भारतवर्ष तीव्र गति के साथ न केवल आगे बढ़ रहा है बल्कि विश्व महाशिखी भी बनने जा रहा है। उनके लोकभावन व आत्म प्रशंसा से ओत प्रोत प्रवचन के मुख्य अंश कुछ इसतरह थे- ईश्वर ने मुझे राष्ट्र स्पी गदिय के निर्माण का जो जिम्मा सौंपा है उसको भव्यता दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा संकल्पों के साथ आगे बढ़ रही है। आपने फरमाया कि भारत अब परामर्श से विजया की ओर प्रस्थान करने वाला राष्ट्र बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पहली बार उस मुकाम पर है कि अब वह अनुसरण नहीं दुनिया भर में उदाहरण पेश कर रहा है। अब देश का हार्दिक गौरव गौरवान्वित महसूस करता है। अब हमारी शक्ति अनंत और संभावनाएं अपार हैं। अब कालांक बदल गया है और नए युग की शुरूआत हो चुकी है। हम दुनिया में पांचवीं अर्थात् चौथी वर्षा हैं। आदि आदि जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपरोक्त प्रवचन देकर हाराष्ट्र स्पी मंटप के निर्माण की सुनहरी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे थे ठीक उसी समय देश का सर्वोच्च न्यायलय एक बार फिर पिछले दिनों घंटीगढ़ में हुये मेयर युनाव पर इसी आत्म मुग्ध सरकार और इसके चाणकयों को आइना दिखा रहा था।



नमल राना लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

के लाख प्रयासों के बावजूद आखिरवाँ सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ नगर निगम मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजेता घोषित कर ही दिया है। सत्ता को दिखाने वाले इस फैसले से एक दिन यानी गत सोमवार (19 फरवरी) ही प्रधानमंत्री नंदें मोदी उत्तर प्रदेश कलिक्धाम मंदिर के एक शिलान्यास कार्यक्रम में जो प्रवचन दे रहे थे उन्होंने सुनकर कोई भी यही कहेगा कि भारत तीव्र गति के साथ न केवल आगे बढ़ रहा है बल्कि विश्व महाशक्ति भी बढ़ जा रहा है। उनके लोकलभावन व अप्रशंसा से ओत प्रोत प्रवचन के मुख्य उद्देश्य कुछ इसतरह थे-ईश्वर ने मुझे राष्ट्र सभा मंदिर के निर्माण का जो जिम्मा सांपूर्ण उसको भव्यता दे रहा हूँ। उन्होंने कहा भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा संकल्पों के साथ आगे बढ़ रही आये फरमाया कि भारत अब परामर्श से विजय की ओर प्रस्थान करने वाले राष्ट्र बन गया है। उन्होंने यही कहा कि हमें भारत पहली बार उस मुकाम पर पहुँचना चाहिए कि अब वह अनुसरण नहीं दुनिया भर के उदाहरण पेश कर रहा है। अब देश का

अब हमारी शक्ति अनंत और संभवानाएँ अपार हैं। अब कालचक्र बदल गया है और नए युग की शुरूआत हो चुकी है। हम दुनिया में पांचवीं अर्थव्यवस्था हैं। आदि आदि जिस समय प्रधानमंत्री ने देश मोदी उपरोक्त प्रवचन देकर ह्याराष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण की सुनहरी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे थे ठीक उसी समय देश का सर्वोच्च न्यायलय एक बार फिर पिछले दिनों चंडीगढ़ में हुये मेयर चुनाव पर इसी आत्म मुग्ध सकरकर और इसके चाणक्यों को आइना दिखा रहा था। गैरतलब है कि भाजपा की चुनाव टालने की तमाम कोशिशों के बावजूद गत 30 जनवरी को चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव संपन्न हुआ था। चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षदों की कुल 35 सीटें हैं। एक वोट स्थानीय लोकसभा सदस्य का भी गिना जाता है। इस तरह बीजेपी के 14 पार्षद, एक भाजपा सांसद (किरण खेर) और शिरोमणि अकाली दल के एक पार्षद को मिलाकर कुल 16 वोट ही होते हैं। जबकि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के पास 13 और कांग्रेस के पास 7 पार्षद हैं। अर्थात ईंडिया गठबंधन के पास कुल 20 मतों के संख्या बल के आधार पर आम चुनाव से पूर्व ईंडिया गठबंधन के बीच से पहले मुकाबले की तरह देख रही तथा ईंडिया गठबंधन की जीत के प्रति तरह आश्वस्त थी। परन्तु इन संभवान के विपरीत आये चुनाव परिणामों से देश हैरान रह गया। चुनाव प्रक्रिया दौरान के आये वीडियो में देखा जाता है कि पीठासीन अधिकारी द्वारा मत को अमान्य करार देने की गरज जानबूझकर उन पर हस्ताक्षर किये गये और कुछ लिखा गया। और बाद में पीठासीन अधिकारी ने निशान लगाये गये उन आठ मतों को आमान्य करार दे दिया और 14 पार्षद वाली भाजपा के मेयर विजयी घोषित कर दिया। जिन आठ वोटों को अमान्य करार दिया गया उसका काम भी नहीं बताया गया। बीजेपी चंडीगढ़ मेयर चुनाव को इतना अहम समझ रही कि पार्टी के एक महासचिव चुनाव से कई दिनों पूर्व से ही इन चुनावों के रणनीति के लिए चंडीगढ़ में ठहरे थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी ने इस धांधलीपूर्ण जीत के बाद कहा कि बीजेपी की चंडीगढ़ यूनिट को अपने चुनाव जीतने के लिए बधाई। पीएम मोदी के नेतृत्व में चंडीगढ़ में रिकॉर्ड विव

त, दिर्दि
भाये
बीच
दिंग
रोप
व
यी।
जीत
स ने
जा
में
डेया
की
का
लेने
यह
हम
इस
प्रीम
सीन
की
ड़ी
बाद
रायी
पत्रों

से चुनाव करवाए जाते हैं? इस आदर्शे (पीठासीन अधिकारी) पर मुकदमा चलना चाहिए। ये कैमरे की ओर क्यों देख रहे हैं और फिर किसी भगोड़े की तरह भाग क्यों रहे हैं? पीठासीन अधिकारी मतपत्र में बदलाव करते दिखे हैं। क्या ये एक रिटर्निंग ऑफिसर का बर्ताव होना चाहिए? वो कैमरे की ओर देखते हैं और मतपत्रों के साथ छेड़खाड़ करते हैं। जिस मतपत्र के नीचे क्रॉस का निशान बना हुआ है, उसे ये देर में रख देते हैं। जिस मतपत्र के ऊपर क्रॉस बना हुआ है, उसे ये बिगाड़ देते हैं और फिर कैमरे की ओर देखते हैं। इनसे बताइए कि सुप्रीम कोर्ट इन्हें देख रहा है। हम लोकतंत्र की ऐसे हत्या नहीं होने देंगे। अदालत ने इस घटनाक्रम को लोकतंत्र की हत्या और मजाक बताया था। देश में स्थिरता लाने की सबसे अहम शक्ति चुनाव प्रक्रिया की शुचिता है। उसी समय सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में धांधली मामले में चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम को भी नोटिस जारी किया था। इसी बीच गत 19 फरवरी को जिस समय प्रधानमंत्री नए युग की शुरूआत व कालचक्र बदलने व राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण जैसे दावे जनता सवाच्च न्यायालय द्वारा एक बार फिर चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर अहम आदेश दिया गया। अदालत ने चुनाव के पीठासीन अधिकारी रहे अनिल मसीह से कई सख्त सवाल पूछे। इधर भाजपा ने हार्स ट्रेडिंग अंजाम देते हुए इस विवादित मेयर चुनाव के बाद आप के कुछ पार्शदों को अपने पाले में ले कर पुनः मेयर चुनाव की मांग की गयी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करते हुए ए पिछले मतपत्रों की ही गिनती दुबारा किये जाने के निर्देश दिये। इस प्रकार चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी के उमीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित कर दिया गया। गोया भाजपा की ह्यकुटिल कथित चाणक्य नीति ह्या और उस पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों व निर्देशों से यह साफ हो गया कि जिस नए युग की बात की जा रही है, जिसे कालचक्र का परिवर्तन बताया जा रहा है और जिस राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण की बातें की जा रही है वह दरअसल लोकतंत्र की हत्या और मजाक का काला दौर है। मात्र सत्ता पर काविज होने के लिये जिसतरह के छल प्रपञ्च रखे जा रहे हैं वह स्वतंत्र भारत के इत्तहास का सबसे काला दौर है।

हमें फंडिंग में पारदर्शिता पर जोर देकर चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए बदलाव करने होंगे। भारतीय चुनाव एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें लाखों मतदाता और अनेक राजनीतिक दल शामिल होते हैं। ये

पार्टियां अपने अभियानों के वित्तपोषण के लिए व्यक्तियों और निगमों के योगदान पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, क्योंकि फंडिंग महत्वपूर्ण है। चुनाव के दौरान बहुत सारा काला धन भी घूसता है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने राजनीति में अवैध धन का उपयोग रोका का वायदा किया था। तीन साल बाद, 2017 में उन्होंने चुनावी बाड़ योजना पेश की, जिसके बारे में उनका दावा था कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी। हालांकि, कुछ लोगों ने गोपनीय खंड और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को अदालत में चुनौती दी। पिछले हफ्ते सर्वोच्च न्यायालय ने गुमनाम राजनीतिक चंदे को अवैध घोषित कर दिया। इस फैसले को भाजपा के लिए पचाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि 2018 से प्रभावी इस योजना से सत्तारूढ़ दल को सबसे अधिक फायदा हुआ है। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि चुनावी बांड नागरिकों के सरकारी जानकारी तक पहुंचने के अधिकार का उल्लंघन करते हैं और संविधान की धारा 19(1) (ए) का उल्लंघन करते हैं। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने खुले शासन के महत्व पर जोर दिया, ह्यमतदान के विकल्प का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानकारी आवश्यक है।



लेखक विरिष्ट पत्रकार हैं

राकम की हालत, हुए जान, खुल सकने से सार्वजनिक धन और प्रकटीकरण के लिए नियमों की आवश्यकता है। सरकार चुनाव सुधार के विकल्प तलाश रही है। हमारे पास कई रिपोर्ट हैं जो हमें बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं, इसलिए हमें उन्हें पिछे से देखने की जरूरत है। हमें फंडिंग पारदर्शिता पर जोर देकर चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए बदलाव करने हों। भारतीय चुनाव एक जटिल प्रक्रिया जिसमें लाखों मतदाता और अनेक राजनीतिक दल शामिल होते हैं। पार्टियां अपने अधियानों के वित्तपोषण के लिए व्यक्तियों और नियमों पर योगदान पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, क्योंकि फंडिंग महत्वपूर्ण है। चुनाव के दौरान बहुत सारा काल धन घूमता है। 2014 में जब नंदेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने

राजन का योगदान किया था। ताक सारा बाद, 2017 में उन्होंने चुनावी बांड योजना पेश की, जिसके बारे में उनका दावा था कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी। हालांकि, कुछ लोगों ने गोपनीयता खंड और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को अदालत में चुनौती दी। पिछले हफ्ते सर्वोच्च न्यायालय ने गुमनाम राजनीतिक चर्चे को अवैध घोषित कर दिया। इस फैसले को भाजपा के लिए पचाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि 2018 से प्रभावी इस योजना से सत्तारूढ़ दल को सबसे अधिक फायदा हुआ है। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि ह्युचुनावी बांडहू नागरिकों के सरकारी जानकारी तक पहुंचने के अधिकार का उल्लंघन करते हैं और संविधान की धारा 19(1)(ए) का उल्लंघन करते हैं। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने द्विनामिक का विपक्ष पक्ष का प्रति नाम से उपयोग के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जा आवश्यक है। हाँ सरकारी वाले भारतीय स्टेट बैंक को इसको जारी करने से रोकने और उसके चुनाव आयोग को विवरण करने का आदेश दिया गया। फैसला पांच जजों के समूह ने न्यायाधीशों ने जांच की कि क्या बांड योजना ने संवैधानिक नियमों को तोड़ा है, मतदाताओं को महाराष्ट्र जानकारी प्राप्त करने से रोका दानदाताओं की गोपनीयता बढ़ावा दी गई है, और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ खत्ते में डाला है? पहले, राजनीतिक दलों को 20, 000 रुपये से कम का योगदान देने वाले दानदाताओं पर हचान का खुलासा करना आ

तेक
पारी
सत्व
आंडों
गारत
दान
यह
या।
गावी
को
पर्ण
है,
रक्षा
दी
को
तेक
धंक
की
यक

दला का दानपात्राजा का नहीं दान उजागर किये बिना प्राप्त धन की रिपोर्ट करने की अनुमति देते हैं। इन बॉन्ड्स की रेंज 1, 000 से 10 करोड़ रुपये तक होती है। लोगों को जानना चाहिए कि राजनीतिक फंडिंग पारदर्शी है या नहीं। मुख्य आलोचनाओं में से एक यह है कि इन बांडों को खरीदते समय यह पता लगाना कठिन है कि पैसा कहां से आता है, जिससे धन के स्रोत की पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। 2017 से 2022 तक के एडीआर आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान निगमों द्वारा दान की गई कुल राशि 3, 299.85 करोड़ रुपये थी। इस रकम का सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा को मिला। चुनावी बांड के माध्यम से कांग्रेस पार्टी को 406.45 करोड़ रुपये, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को 109.5 करोड़ रुपये रुपये मिला। एडीआर की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजनीतिक योगदान के बारे में जानकारी छिपाना अनुचित है। करदाताओं को पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है। पारदर्शिता की कमी जबाबदेही पर सवाल उठाती है। करदाताओं का पैसा बांड छपने में खर्च होता है और एसबीआई को उनकी बिक्री से मुनाफा होता है। इसमें दावा किया गया है कि करदाताओं को यह जानने का अधिकार है कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है। अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता जबाबदेही के बारे में सदृश पैदा करती है। करदाताओं के पैसे का उपयोग बांड मुद्रित करने के लिए किया जाता है, और उनकी बिक्री से एसबीआई के मुनाफे को अनुचित

जब संयोग है कि भारत और स्तान दोनों इस वक्त लोकतंत्र की ओरिंग मार्ग पर चलते हैं। जो खारिज किया गया था और आप ने आरोप लगाए थे कि रिटर्निंग अधिकारी अविवाहित रूप से वापस आता है।

जारी रखी, तो सच सामने आ गया। लेकिन इससे निष्क्रिय और पारदर्शी चर्चाएं प्राप्त हुई हैं कि यह क्या है।

नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन और बिलावल भट्टो की पार्टी पीपीपी करते हुए लियाकत अली चट्टा ने कहा कि वो इस बजह से सो नहीं पा रहे हैं से ज्ञान और उन्नति की पीर में ज्ञान संरक्षण सबक न लेना चाहें, लेकिन कमिस्नर चट्टा ने एक रास्ता उन लोगों को दिया विद्या के लिए दिया है जो ईर्षा दरमि के पास

जानपराका से एक साथ नुजर रह देता है। भारत में लोकतंत्र की सुदैर्घ्य परंपरा रही है और पाकिस्तान लोकतंत्र की विशेषता लिए संघर्ष करता आया है, यह दोनों देशों के बीच का बुनियादी फर्क है। लेकिन दोनों देशों में एक बड़ी समानता ये है कि सत्ता पर काबिज होने के लिए पाकिस्तान में भी धृव्यांत्र रचे जा रहे हैं और भारत में भी ऐसा ही हो रहा है। चंडीगढ़ का मेयर चुनाव इसका उदाहरण है। पहले इस चुनाव को केवल इस वजह से टाला गया था क्योंकि वो अधिकारी नीतीश कुमार थे। इसके बाद 30 जनवरी को जब चुनाव हुए तो आप और कांग्रेस का गठबंधन हो गया, जबकि भाजपा को आसान जीति दिया गया।

जानल मसां न हा भतपत्रा पर निशान
बनाए थे। उनका एक वैडियो कूटेज
भी सामने आया था। सुप्रीम कोर्ट ने
इस मामले को लोकतंत्र की हत्या
करार दिया था और समवार को हुई
सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट में अनिल
मसीह ने स्वीकार भी किया कि उन्होंने
आठ मतपत्रों पर निशान लगाए थे।
इसके बाद मंगलवारा को अदालत ने
मतपत्रों की फिर से गिनती के आदेश
दिए हैं, इसमें खारिज किए सभी आठ
मतपत्र भी शामिल थे, जिससे आप के
कुलदीप कुमार मेयर धोषित हो गए।
चंडीगढ़ मेयर चुनाव देश में होने वाले
विधानसभा और लोकसभा चुनावों से
बहुत छोटा है। यहां पर प्रक्षेप न हिम्मत
में दिया जाएगा।

स ज्यादा बात हासिल किए। फर भा पीटीई असरकार नहीं बना सकी, न ही अब तक नवाज शरीफ और बिलावल खुद्दों कोई समझती कर पाए हैं। इस बीच चुनाव में धांधली के आरोप भी लगे थे और कहा गया था कि जीते हुए कई निर्दलीय प्रत्याशियों को हारा हुआ घोषित किया गया है। इससे पहले कि इस मामले की कोई जांच होती और चुनाव आयोग को क्लीन चिट लिली, रावलपिंडी के कमिश्नर लियाकत अली चट्ठा ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि हमने 13 ऐसे निर्दलीय कैडिङेट्स जो 70 से 80 हजार वोटों से आगे बढ़ रहे थे, उन्हें धांधली कर हरवा दिया। रावलपिंडी के लिए दो वोटों में से एक उन्हाँन हैदराबा का पाठ म झुरा था। यह भी मैंने जो अन्याय किया है उसके लिए मुझे डिटिं किया जाना चाहिए और इस अन्याय में शामिल अन्य लोगों को भी सजा होनी चाहिए। कमिश्नर चट्ठा ने यह भी कहा कि वे 1971 वाला दौर फिर नहीं देखना चाहते हैं। गैरतलब है कि 1971 में ही बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ था, क्योंकि तब भी शेख मुजीबुर्रहमान को चुनाव में जीत हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान की सैन्य हुक्मत सत्ता सौंपना नहीं चाहती थी। इसके बाद जो कुछ हुआ, उस इतिहास से सब वाकिफ हैं। पाकिस्तान का न्यायतंत्र, सैन्य तंत्र और सत्ता पर काबिज होने की इच्छा लिए दिखा दिया है, जो इमानदार के साथ लोकतंत्र के रास्ते पर चलना चाहते हैं। यह याद रखना चाहिए कि आजादी के 75-76 बरसों में पाकिस्तान लोकतंत्र के लिए तरसत रहा है, सैन्य तानाशाही ने वहाँ लोकतंत्र की जड़ों को बार-बार कुचला और दूरी ओर धार्मिक कटूतासे लोकतंत्र बेड़ियों में जकड़ा गया। हालांकि वहाँ की अवाम इसके बावजूद लोकतंत्र की सत्ता स्थापित करने के लिए जूझती रही, उसने धर्म और सेना की सत्ता के आगे अपने जमीरा का समर्पण नहीं किया। दूसरी ओर भारत ने आजादी के साथ ही लोकतंत्र का पौधा रोपा और 7 दशकों में इसे विशाल लहलहाते वृक्ष

संक्षिप्त खबरें

आग से बचाव हेतु विद्यालय में
संरक्षण को दी गई जानकारी

सदर मुंगेर। सदर प्रबंध अंतर्गत
मुफ्तसिल थाना क्षेत्र के शंकरपुर
पश्चात्य के उच्च माध्यमिक विद्यालय
शक्तियारु में अधिकविभाग के टीम द्वारा
मॉक इलाके के माध्यम से आग से बचाव
की विस्तारी देखी गई जानकारी दी। वहीं
कुमारी शर्मा, विपुल कुमार, विधि
कुमारी, मधुकुमारी, दिनेश राम, द्वारा
बताया गया कि विभागीय निर्देशकुमार
हम लोग क्षेत्र में आग पर काढ़ा
पाने देते हैं जानकारी देते। ताकि लोगों
आग लगाने पर बचाव कर सके तथा
लोगों को इसकी जानकारी दें इसी
क्रम में आज उच्च माध्यमिक विद्यालय
तथा मध्य विद्यालय शक्तियारु में भाग
टीम द्वारा रसिया शक्तियारु तथा बचाव के
जाँच आग से बचाव की जानकारी दिए
वहीं कार्यक्रम में प्रायोगिक अधिकारक
देवेश तथा शिक्षक रसोईद्वारा एवं बच्चे
उपरिधित रही।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। भवानीपुर
ओपी थाना परिषेक अंतर्गत गनील
गांव में गार्मीन वाणी सहनी ने अपने
पड़ोस के लोपेश सहनी, सुमन सहनी
मुंगेर सहनी तार्फ से लिखने के लिए

मारपीट कर जड़ी कर देने का आरोप
लगाते हुए भवानीपुर ओपी थाना में
तिव्यत आवेदन देख प्रायोगिक दज़े
कराया है। वहीं दुसरी ओपी भवानीपुर
ओपी थाना परिषेक अंतर्गत गनील
गांव के लिए भवानीपुर ओपी थाना
हुए भवानीपुर ओपी थाना में लिखित
आवेदन देप्रायमिकी दर्द करायी है।

वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाता है। जांचपारांत संवादित
दोनों के लिए आगे बढ़ायी रुप से

गार्मीन लोग मारिंग में ही बने एक पिंडी
इतिहास बहुत लंबे समय पूर्व से चला

आ रहा है। वहीं ग्रामीणों के मुताबिक
माने तो उनका कहना है कि पूर्वज
के समय से बतायी गई एक कहानी है
जिनके अनुसार बताया गया था कि इस
स्थल पर करीब 4 सौ साल पूर्व एक
पीपल के पेड़ पर बैठे हुए दो काला
कौमा और एक बाला के बाट कहा रहा था कि
यह स्थान दो शक्ति पीठ के स्थान है।
जहां एक तफ़ बजरंगबली और दूसरी
तरफ़ महाकाली का शक्ति पीठ है। वहीं
वहीं पास से गुजर रहे नाम बाबा और
डॉकर गिरी महर्ने तक उक्त दोनों को आ॒
की बात सुनकर इदानों में महात्मा और
जुटी है।

गार्मीन लोगों के लिए आगे बढ़ायी
रुप से बच्चे के लिए आगे बढ़ायी रुप से

कार्यवाई की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को सहनी

नैकी की घोषणा करें सरकार: सपा

मुंगेर लखीसराय सिक्कदार मार्ग पर
हुए सड़क हाड़से में जमालपुर नगर
परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 35 दियत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। भवानीपुर
ओपी थाना परिषेक अंतर्गत गनील
गांव के लिए भवानीपुर ओपी थाना
हुए भवानीपुर ओपी थाना में लिखित
आवेदन देप्रायमिकी दर्द बचाव के
जाँचों में जुटी है, जांचपारांत संवादित
दोनों के लिए आगे बढ़ायी रुप से

गार्मीन लोगों के लिए आगे बढ़ायी
रुप से बच्चे के लिए आगे बढ़ायी रुप से

कार्यवाई की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को सहनी

नैकी की घोषणा करें सरकार: सपा

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप पूर्वाद
हो आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा
है। वहीं उक्त दोनों मामलों की जानकारी
देते हुए ओपी थाना विद्यालय में शुक्रवार
ने बताया कि अपनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है, जांचपारांत
संवादित सहनी को लोक पुलिस
घिराया जाने के बाद विद्यालय के
दोनों जाँचों में जुटी है।

दीये आवेदन पर पुलिस किया
गमला दर्ज

नवगांडिया (भागलपुर)। अनुमंडल
पुलिस पदाधिकारी ओपी प्रकाश ने
नवगांडिया थाना प्रांगण में प्रेसवार्ता
आयोजित कर प्रकारकों को बताया
कि विगत 24 जनवरी की देर शाम
इमाईलपुर थाना परिषेक अंतर्गत
जहांगीरा बस्ती के आठ लड़कों की
मौत पर सपा भाग्यकांप

